बेड़िया–लौंधी सड़क के गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण की मांग

विधायक ने लिखा केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री को पत्र

नवभारत न्यूज

बड़वाह, निप्र । क्षेत्रवासियों ने बेड़िया से ग्राम लौंधी तक 17 किमी लंबी सड़क का उन्नयन एवं पुनर्निर्माण केंद्रीय सड़क अवसंरचना कोष योजना के तहत करने कि मांग की है। क्षेत्रवासियों के अनुसार भारी वाहनों के निरंतर बढ़ते आवागमन के कारण बेड़िया से लौंधी तक सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त और जर्जर हो गई है। इस तारतम्य में विधायक सचिन बिरला ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र प्रेषित किया है। पत्र में कहा गया है कि आवागमन की दृष्टि से बेड़िया - लौंधी- पीपलगांव - कसरावद मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रमुख जिला मार्ग है। इस सड़क का बेड़िया से लौंधी तक 17 किमी हिस्सा लंबे समय से बुरी तरह क्षतिग्रस्त और जर्जर है। इस कारण आवागमन में भारी बाधा उत्पन्न हो रही है और दुर्घटनाएं भी घटित हो रही हैं। इसलिए बेड़िया से लौंधी तक सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से का गुणवत्तापूर्ण उन्नयन और पुनर्निर्माण अत्यंत आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि इस सड़क का लौंधी से कसरावद तक के हिस्से का उन्नयन और पुनर्निर्माण किया जा चुका है। वर्ष 1999-2000 में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा बेड़िया से लौंधी तक सड़क के आधार का सुदृढ़ीकरण किए बगैर चौड़ीकरण किया गया था। वर्तमान में बेड़िया- लौंधी- पीपलगोन- कसरावद सड़क पर यातायात का दबाव निरंतर बढ़ता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कसरावद राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा है। वहीं दूसरी ओर बेड़िया राज्यमार्ग पर स्थित है। बेड़िया में एशिया की सबसे बड़ी मिर्च मंडी होने के कारण देश-प्रदेश से बड़ी संख्या में भारी वाहनों का आवागमन लगा रहता है। इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर ट्रैफिक जाम की स्थिति में महाराष्ट्र की ओर जाने वाला भारी यातायात भी सनावद से बेड़िया होकर इसी सड़क से गुजरता है। बेड़िया के समीप स्थित सेल्दा नेशनल थर्मल पावर स्टेशन सेल्दा प्लांट से प्रतिदिन 60 से 80 टन के सैकड़ों बलकर भी इसी सड़क से होकर गुजरते हैं। साथ ही नर्मदा तटों से 40 से 50 टन की क्षमता वाले डंपर इसी सड़क से रेत परिवहन करते हैं। पत्र में कहा गया है कि इस सड़क पर डामर और बेस की मोटाई मात्र 35 से 40 सेमी है। जो कि भारी यातायात के लिए उपयुक्त नहीं है। पत्र के अनुसार ग्राम लौंधी से बेड़िया तक का अधिकतम क्षेत्र काली मिट्टी का है और सड़क का स्तर भी खेतों के समानांतर है। इस कारण भारी वाहनों के दबाव के कारण सड़क का आधार भी धंस रहा है। पत्र में कहा गया है कि इस सड़क पर स्थित जीरभार, कानापुर, कातोरा एवं बड़गांव में जल निकासी हेतु नाली निर्माण नहीं होने के कारण सड़क निरंतर खराब होती जा रही है। इसलिए भारी वाहनों के निरंतर बढ़ते आवागमन को दृष्टिगत रखते हुए बेड़िया से लौंधी तक 17 किमी लंबी हिस्से का उन्नयन और पुनर्निर्माण केंद्रीय सड़क अवसंरचना कोष योजना के अंतर्गत किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

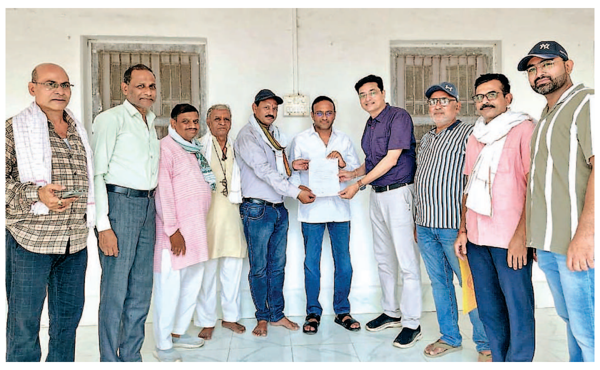

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का आज हुआ समापन

कसरावद, निप्र । संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग भोपाल के आदेश अनुसार पुलिस अधीक्षक खरगोन के निर्देशन एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती पीवी दुबे के मार्गदर्शन में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह 2026 का आज समापन सरदार वल्लभभाई पटेल स्कूल कसरावद में किया गया ब्लॉक खेल समन्वयक पंकज बर्डे ने बताया कि 1 मई से 3 जून2026 तक चलाए गए इस समर कैंप में खेलों के साथ-साथ खेलो सीखो आगे बढ़ो की थीम पर मुख्य घटक फिट इंडिया मूवमेंट, व्यक्तिगत विकास, संस्कृति एवं मनोरंजन, खेल गतिविधियां ,फैमिली इंगेजमेंट ,सोसाइटी इंगेजमेंट, एवं सामाजिक जागरूकता से स्वस्थ रहने एवं खेल कौशल में सुधार लाने के लिए विकासखंड कसरावद मै लगभग 127 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कर फुटबॉल, वॉलीबॉल एवं एथलेटिक्स खेलों की बारीकियां सीखी समापन के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय कसरावद के क्रीड़ा अधिकारी डॉ दयाराम राजपूत द्वारा खिलाड़ियों को शारीरिक शिक्षा में अपना करियर बनाने को लेकर जानकारी दी गई। संस्था के अध्यक्ष श्री नरेंद्र पाटीदार द्वारा निरंतर अभ्यास और आगे बढ़ते रहने के लिए शुभकामनाएं दी एवं छात्रा कु अंशिका जैन ने समर कैंप के अपने अनुभव शेयर किऐ। एवं खिलाड़ियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष डॉ हेमंत पाटीदार, कोषाध्यक्ष भगवान पाटीदार, सचिव नरेंद्र वराडिया, सहसचिव वैभव पाटीदार संस्था के प्राचार्य, खेल प्रशिक्षक श्री रविंद्र मिश्रा, आलोक पाटीदार उपस्थित रहे एवं आभार पंकज बर्डे विकासखंड समन्वयक कसरावद ने व्यक्त किया।

एक नजर में

बड़वाह कस्बा पंचायत में कचरा वाहन बना आग का गोला, लापरवाही या जानबूझकर आगजनी?

बड़वाह, निप्र । कस्बा पंचायत क्षेत्र में तय कई दिनों से कचरे से भरे वाहन में लगी आग को लेकर लोगों में सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह आग अचानक लगी या फिर जानबूझकर लगाई गई, इसकी जांच होना चाहिए। कचरे के ढेर और वाहन से उठता धुआं आसपास के रहवासियों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन लंबे समय से कचरे से भरा खड़ा था और उसमें धुआं उठता दिखाई दे रहा था। इससे क्षेत्र में दुर्गंध और प्रदूषण फैल रहा है। लोगों ने आशंका जताई है कि कचरे में आग लगने के पीछे लापरवाही या किसी की शरारत भी हो सकती है। ये जांच का विषय है, कस्बा पंचायत इस मामले की जांच कराए, वाहन को तत्काल हटाए और भविष्य में कचरा प्रबंधन की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि आगजनी और प्रदूषण जैसी घटनाओं से बचा जा सके।

मनरेगा विषय अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर

बड़वाह, निप्र। अरोरा। सनावद ।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायालय मंडलेश्वर के आदेश अनुसार एवं तहसील विधिक सेवा समिति न्यायालय सनावद के निर्देशानुसार मनरेगा विषय अंतर्गत के संबंध में शिविर आयोजित किया गया जहां पर श्री मान न्यायाधीश महोदय श्री मो असलम दहलवी साहब एवं श्री मान योगेश कुमार चालीसा साहब के द्वारा आमजन को कहा कि मनरेगा ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम है। यह एक योजना है जो ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को रोजगार प्रदान करती है। इस योजना के तहत, ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्यों को प्रति वर्ष कम से कम 100 दिन का रोजगार गारंटीकृत किया जाता है, मनरेगा में ऐसे मजदूर कार्य कर सकते हे जो शारीरिक तौर मजबूत हो ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षा बढ़ाना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना बेरोजगारी कम करना मनरेगा में सहायक हे मनरेगा को लोक अदालत में ग्रामीण मजदूरों को इन लाभ के अंतर्गत लाभ भी दिया जाता है जैसे विवादों का निपटारा : वैकल्पिक विवाद समाधानसुलह और समझौता जैसे नि :शुल्क सेवा प्रदान करते हैं मनरेगा से संबंधित विवादों को सुलझाने में भी न्यायालय मजदूरों को लाभदेती हे आप अपनी ग्रामीण पंचायत में जाकर मिले और मनरेगा मजदूरी के संबंध में जानकारी ले शिविर में न्यायालय खंड पीठ सदस्य रविन्द्र अम्बिया मौजूद थे।

बड़वाह में जिला फिजियोथेरेपी एसोसिएशन ने बच्चों को वितरित की अध्ययन सामग्री

बड़वाह, निप्र । जिला फिजियोथेरेपी एसोसिएशन खरगोन द्वारा नव्या जन कल्याण समिति, बड़वाह में बच्चों के लिए एक सेवा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को शैक्षणिक प्रोत्साहन के उद्देश्य से पाठ्यपुस्तकें एवं अन्य अध्ययन सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर फिजियोथेरेपिस्टों ने बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम करने, स्वच्छता बनाए रखने तथा संतुलित आहार के महत्व के बारे में जानकारी दी। बच्चों को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ आदतों को दैनिक जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया। एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य किसी भी बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। इसी उद्देश्य से बच्चों को शैक्षणिक सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में जिला फिजियोथेरेपी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. शुभम महाजन, उपाध्यक्ष डॉ. ज्योत्सना तवर, सचिव डॉ. हिमांशु भगोरे कोषाध्यक्ष डॉ. यशी चौधरी, डॉ. श्रुति महाजन, डॉ. श्रृंखला सुल्तानपुरे, डॉ. महेंद्र पाटीदार, डॉ. चारुल तवर एवं डॉ. पंकज बिरला सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। नव्या जन कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने जिला फिजियोथेरेपी एसोसिएशन के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लाइनमैन संतोष जोशी सेवानिवृत्त...

बड़वाह, निप्र। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल (एमपीईबी) में वर्षों तक लाइनमैन के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले संतोष जोशी सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। उनकी सेवानिवृत्ति पर बिजली विभाग परिवार ने आत्मीयता के साथ विदाई दी। विभागीय कार्यालय से कुम्हार मोहल्ला तिलभांडेश्वर मार्ग स्थित उनके निवास तक ढोल-धमाके के साथ जुलूस निकाला गया, जिसमें सहकर्मियों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जगह-जगह लोगों ने श्री जोशी का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उनके लंबे सेवाकाल और कार्यनिष्ठा को याद किया। सहकर्मियों ने बताया कि संतोष जोशी अपने कर्तव्य के प्रति हमेशा सजग और अनुशासित रहे। कार्यस्थल पर उनका अंदाज भले ही कड़क रहा हो, लेकिन व्यवहार में वे सरल, सौम्य और धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं। विभाग में उनकी पहचान एक अनुभवी और जिम्मेदार लाइनमैन के रूप में रही। जटिल से जटिल विद्युत कार्यों को सहजता से संपन्न कराने में उनकी विशेष भूमिका रहती थी। स्वागत समारोह के दौरान सतनारायण मंदिर भक्त मंडल एवं आनंदेश्वर महादेव मानस मंडल के सदस्यों ने भी श्री जोशी का सेवा निवृत्ति पर अभिनंदन कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मुख्य मंत्री द्वारा लोकार्पण के बाद फिर किया सिविल हॉस्पिटल का लोकार्पण

मंडलेश्वर, निप्र । लगभग एक साल से बनकर तैयार खडे सिविल हॉस्पिटल मंडलेश्वर में दुबारा लोकार्पण के बाद विधिवत कामकाज आखिर शुरू हो गया। 25 जून 2025 को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सिविल हॉस्पिटल का वर्चुअल लोकार्पण कर दिया था उसके बाद से लगभग 10 से 11 माह होने के बाद भी इसमें कामकाज शुरू नहीं हो पाया था इस संबंध में मिडिया द्वारा कई बार संबंधित अधिकारियो और अन्य जिम्मेदारों को द्धअवगत कराया जाता रहा लेकिन हर बार एक अगली तारीख बता दी जाती थी। लम्बे इंतजार के बाद आखिर सोमवार 4 बजे एक बार फिर सिविल अस्पताल का लोकार्पण किया गया उसके बाद से इस नए भवन में काम शुरू हो गया है। सी एम के लोकार्पण के बाद लोकार्पण की क्या जरुरत थी इस लोकार्पण की यह एक बड़ा सवाल है। और सांसद विधायक इस लोकार्पण में क्यों शामिल नहीं हुए यह भी यक्ष प्रश्न है। राजनीति जानकारों का मानना है कि यह सिविल अस्पताल डॉ विजय लक्ष्मी साधौ के कार्यकाल की देन है जिसका भूमिपूजन डॉ साधौ द्वारा 24 जनवरी 2020 को किया गया था। यह सिविल अस्पताल महेश्वर मेडिकल कॉलेज प्रोजेक्ट के लिए बनाया गया था जिसमे महेश्वर करही मंडलेश्वर और अन्य सी एच सी सेंटर्स का उन्नयन कर मेडिकल कॉलेज के लिए 300 बेड के हॉस्पिटल की सुविधा उपलब्ध करना था। हॉस्पिटल के लिए डॉ साधौ के चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग को फंड ट्रांसफर किया जा चुका था उसके बाद कमल नाथ सरकार गिर गई थी। पुरानी सरकार द्वारा जारी फंड से यह हॉस्पिटल बना गया जबकि मेडिकल कॉलेज के लिए नई भाजपा सरकार द्वारा फंड जारी नहीं किया था। मेडिकल कॉलेज का श्रेय लेने की जो होड़ मची और उस राजनिति खींच तान में महेश्वर मेडिकल कॉलेज के लिए बजट नहीं दिया गया। उसी राजनीति का शिकार मंडलेश्वर सिविल हॉस्पिटल भी हो गया है। किसी भवन का मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण होने के बाद उसी भवन का दुबारा लोकार्पण किस प्रोटोकॉल के तहत हुआ यह समझ से परे है। मंडलेश्वर की नगर परिषद द्वारा मुख्यमंत्री अधो संरचना के तहत नगर परिषद कार्यालय का एक्सटेंशन भवन का कार्य किया गया इस का लोकार्पण मुख्य मंत्री द्वारा 24 जनवरी 2025 को वर्चुअली किया था उसके बाद नगर परिषद द्वारा नए भवन में काम काज शुरू कर दिया गया वहाँ मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण का शिलालेख भी स्थापित किया गया। लेकिन सिविल हॉस्पिटल लोकार्पण में नियम विरुद्ध कार्य किया गया है यहां मुख्य मंत्री द्वारा किए गए लोकार्पण का शिला लेख लगाकर हॉस्पिटल चालू कर दिया जाना चाहिए था लेकिन यहां दुबारा लोकार्पण किया गया और नए शिलालेख में मुख्यमंत्री का नाम नहीं है उसमे सांसद विधायक के नाम अंकित है जो लोकार्पण में अनुपस्थित थे। लोकार्पण में मिडिया और नगर के प्रथम नागरिक को भी आमंत्रित नहीं किया गया।

बांके बिहारी मंदिर में होगा भव्य सुंदरकांड एवं श्याम संकीर्तन महोत्सव

खरगोन, निप्र । ग्रीन गोल्ड कॉलोनी स्थित श्री बांके बिहारी जी मंदिर में आगामी 6 एवं 7 जून को दो दिवसीय धार्मिक आयोजन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। मंदिर समिति एवं श्याम भक्तों द्वारा आयोजित इस आध्यात्मिक महोत्सव में सुंदरकांड पाठ तथा श्री खाटू श्याम प्रभु का भव्य संकीर्तन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न होगा। मंदिर समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 6 जून 2026, शनिवार को श्री हनुमानजी की कृपा प्राप्ति हेतु संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। वहीं दिनांक 7 जून 2026, रविवार को भक्तों के आराध्य बाबा श्याम का विशाल संकीर्तन आयोजित होगा, जिसका आयोजन श्याम दादू बड़ोले एवं परिवार तथा श्री बांके बिहारी जी मंदिर समिति के तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रसिद्ध भजन गायक देंगे भक्ति की प्रस्तुति। संकीर्तन में बाबा श्याम की महिमा का गुणगान करने के लिए श्री रवि शर्मा (इंदौर) एवं श्री संजय भैया सेन (सूरजगढ़) विशेष रूप से पधार रहे हैं। दोनों भजन गायकों की मधुर प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु बाबा श्याम के रंग में रंगे नजर आएंगे। खाटू श्याम सेवक परिवार संघ का रहेगा विशेष सहयोग। आयोजन को सफल एवं भव्य बनाने में श्री खाटू श्याम सेवक परिवार संघ (रजि.) खरगोन का विशेष सहयोग रहेगा। आयोजन समिति द्वारा नगर एवं आसपास के क्षेत्र के समस्त श्याम प्रेमियों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

व्यवस्थाओं को लेकर 4 जून को होगी बैठक

आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन हेतु दिनांक 4 जून 2026, गुरुवार रात्रि 9 :00 बजे मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है। यह बैठक श्री बांके बिहारी जी मंदिर, पानी की टंकी के पास, ग्रीन गोल्ड कॉलोनी, शुभिषि हॉस्पिटल के सामने, खरगोन में आयोजित होगी। मंदिर समिति ने मंडल के समस्त सदस्यों, श्याम भक्तों एवं सहयोगियों से समय पर उपस्थित होकर आयोजन की रूपरेखा एवं व्यवस्थाओं संबंधी चर्चा में सहभागिता करने का अनुरोध किया है।

कोटवारों ने की वेतन वृद्धि, नियमितीकरण की मांग, सौंपा ज्ञापन

खरगोन, निप्र । राजस्व विभाग में कार्यरत्त कोटवारों ने अपनी लंबित मांगो को लेकर एकजुटता दिखाई है। बुधवार को 5 सूत्री मांगों को लेकर एसडीएम कार्यालय परिसर में इकठा हुए कोटवारो ने मांगो के समर्थन में नारेबाजी की इसके बाद तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। संघ के जिला अध्यक्ष रमेश मंडलोई, शाबिर खान, कालुराम खेड़े आदि ने बताया वेतन वृद्धि, नियमितीकरण और अनुकंपा नियुक्ति के साथ ही ज्ञापन में कोटवारों का वेतन वर्तमान स्थिति से बढ़ाकर 26 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग की गई है। संघ ने प्रशासन से आग्रह किया कि कोटवारों की इन जायज मांगों का शीघ्र और सहानुभूतिपूर्वक निराकरण किया जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके और उनका जीवन स्तर सुधर सके। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार नहीं किया तो वे आगे आंदोलन की रणनीति बनाने को विवश होंगे।

3 शातिर चोरों से 7.80 लाख का मश्रुका जब्त

खरगोन, निप्र । मंडलेश्वर में सिविल अस्पताल के बन रहे नए भवन में बार-बार हो रही चोरियों का पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में 3 आरोपियों से गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 7 लाख 80 हजार रुपए का मश्रुका जब्त किया गया है। मामले में चोरी का सामान खरीदने वाला फरार है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मेडिकल ऑफिसर महेश्वर ने 18 मई को सूचना दी कि सिविल अस्पताल मण्डलेश्वर की नई बिल्डिंग के निरीक्षण के दौरान अस्पताल के भूतल एवं प्रथम तल के कुछ कमरों के ताले टूटे हुए पाए गए। कमरों की जांच करने पर ऑक्सीजन फ्लोमीटर कनेक्टर, ऑक्सीजन जंक्शन बॉक्स कंट्रोलर, लगभग 300 मीटर कॉपर ऑक्सीजन पाइप, फायर सिलेंडर, 4 एसी इंडोर यूनिट, 2 एसी आउटडोर यूनिट, 1 सीसीटीवी कैमरा तथा फायर पाइप बॉक्स के कॉपर कनेक्टर एवं होज पाइप आदि गायब मिले। अस्पताल की छत पर लगे दरवाजे का नकुचा भी टूटा मिला। अनुमान है कि अज्ञात चोर छत के रास्ते भवन में प्रवेश कर कमरों के ताले तोड़कर उक्त सामग्री चोरी कर ले गए है। पुलिस ने सूचना पर रिपोर्ट दर्ज कर चोरो की तलाश शुरु की। संभावित रास्तों के सीसीटीव्ही फूटेजो का संकलन कर बारीकी से खंगाला गया। जिसमें मण्डलेश्वर के रहने वाले सोनू उर्फ अजय पिता जगदीश शर्मा निवासी सब्जी मंडी के पीछे, गोलू उर्फ गौतम पिता मोहन तंवर निवासी वार्ड 2 और लक्की पिता जगदीश तंवर तीनों निवासी अस्पताल के पीछे मण्डलेश्वर को संदेश के आधार पर हिरासत में लिया। पूछताछ में तीनों ने उक्त चोरी को विगत 2 माह में रात्रि में 4 से 5 बार में करना व चोरी का माल भंगार में बेचना स्वीकार किया। चोरी गया मश्रुका का सामान, दो मारुति वैन और एक बाईक जब्त की है। जब्त मश्रुका की कीमत 7 लाख 80 हजार रुपए आंकी गई। चोरी का माल खरीदने वाले भंगार व्यापारी मौके से फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

एक नजर में

श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिवस श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं गोवर्धन पूजा प्रसंग का हुआ भावपूर्ण वर्णन

धर्म से होता है जीवन का निर्माण, कर्मयोग ही मनुष्य को परम लक्ष्य तक पहुंचाता है

नवभारत न्यूज

भीकनगांव, निप्र । स्वर्गीय पत्रकार श्री शिव शर्मा 'बाबा' की पुण्य स्मृति में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर गायत्री मंदिर, भीकनगांव में आयोजित सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिवस श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और गोवर्धन महिमा के रस में सराबोर हो गए। व्यासपीठ से पूज्य श्री पाद सेवाप्रिय हरिदास जी महाराज ने धर्म, कर्म और भक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धर्म मनुष्य के जीवन का आधार है। धर्म से ही जीवन का निर्माण होता है तथा धर्मयुक्त कर्म ही मनुष्य को कर्मयोगी बनाता है। महाराज श्री ने कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य सुख और साधनों की खोज में भटक रहा है, जबकि जीवन की वास्तविक सफलता धर्ममय आचरण और भगवान के प्रति समर्पण में निहित है। कर्म करते हुए भगवान का स्मरण करना ही सच्चा कर्मयोग है। जब कर्म में भक्ति और कर्तव्य में समर्पण का भाव जुड़ जाता है, तब वही कर्म साधना बन जाता है।

बाल स्वरूप में भी लोकमंगल का संदेश देते हैं भगवान श्रीकृष्ण:- कथा के दौरान महाराज श्री ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि गोकुल और वृंदावन में बालकृष्ण की प्रत्येक लीला लोककल्याण का संदेश देती है। माखन चोरी की लीला हो अथवा गोप-बालकों के साथ क्रीड़ा, प्रत्येक प्रसंग में भक्त और भगवान के मधुर संबंध का दर्शन होता है। यशोदा मैया का वात्सल्य, नंद बाबा का स्नेह तथा ब्रजवासियों का कृष्ण के प्रति अगाध प्रेम सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

गोवर्धन पूजा प्रसंग से मिला प्रकृति संरक्षण का संदेश:- महाराज श्री ने गोवर्धन पूजा का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जब ब्रजवासी इंद्र यज्ञ की तैयारी कर रहे थे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें गोवर्धन पर्वत, गौमाता और प्रकृति की पूजा का महत्व समझाया। इंद्र के अहंकार के कारण ब्रज में मूसलाधार वर्षा हुई, तब भगवान ने अपनी कनिष्ठा अंगुली पर गोवर्धन पर्वत धारण कर समस्त ब्रजवासियों की रक्षा की। यह प्रसंग केवल चमत्कार नहीं, बल्कि अहंकार पर विनम्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश है।

गिरिराज महाराज को अर्पित किया गया छप्पन भोग:- कथा के उपरांत श्रद्धालुओं द्वारा भगवान गिरिराज महाराज को भव्य छप्पन भोग अर्पित किया गया। विविध प्रकार के मिष्ठान्न, फल एवं व्यंजनों से सुसज्जित छप्पन भोग के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भजन-कीर्तन और जयघोष के मध्य श्रद्धालुओं ने गिरिराज महाराज की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। कथा के दौरान पूरा परिसर 'गिरिराज महाराज की जय', 'राधे-राधे' एवं 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष से गुंजायमान रहा।